



अखिल भारतीय तैरापंथ युवक परिषद्  
**TERAPANTH TASK FORCE**  
CARE • COURAGE • COMMITMENT



**TTF HERO CHIRAG KANTILAL BAFNA**

मुंबई निवासी चिराग कांतिलाल बाफना, कांदिवली युवक परिषद के सदस्य जिन्होंने पिछले साल ही टीटीएफ के फर्स्ट लेवल की ट्रेनिंग कम्प्लीट की। तीन दिनों के इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में उनको राहत एवम बचाव कार्यो की प्राथमिक गतिविधियों से अवगत करवाया गया। जैसे फायर एक्सटीन्गुइशर की मदद से आग कैसे बुझाई जाती है। किसी तरह की दुर्घटना या चोट लगने पर फर्स्ट ऐड कैसे किया जाता है। साथ ही उनको ये भी बताया गया कि अपने से दोगुने वजन के व्यक्ति कैसे सुरक्षित तरीके से उठाया जाये।

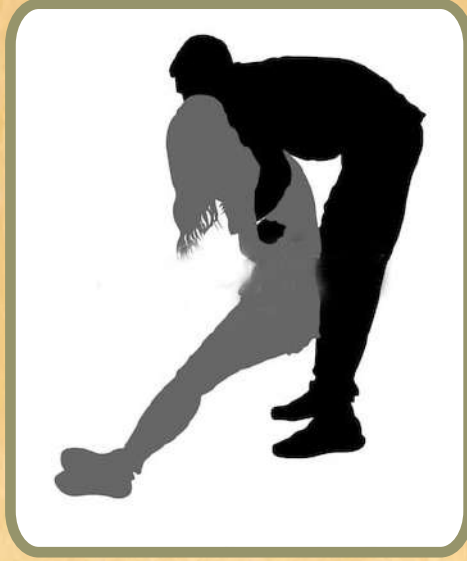
**EVERYDAY  
HEROES**



आज हम आप सभी के साथ उनका एक किस्सा शेयर करना चाहते हैं। ये घटना तब की है जब उन्होंने टीटीएफ की ट्रेनिंग सेशन पूरा कर लिया था। वह अपने भाई के साथ कैम्पोलिन क्लब रिसोर्ट गए थे। वहां 12 महिलाओं का एक ग्रुप था जोकि रेन डांस का आनंद ले रहीं थी। अचानक उनमें से एक महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह जमीन पर गिर पड़ीं। उनके घुटनों के नीचे का हिस्सा फ्रेक्चर हो गया



वह महिला अपने पैरों पर खड़ी होने में असमर्थ थीं। कैम्पोलिन क्लब के कर्मचारियों ने उनको उठाने की कोशिश भी की थी पर वे उस महिला को सही तरीके से उठा नहीं पाये।



जब चिराग उनके पास पहुंचे तब तक उनकी टांग काफी सूज चुकी थीं और उनको तत्काल मेडिकल सहायता की आवश्यकता थी। परन्तु दुर्भाग्य से उस वक्त वहां कोई स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था। उन्होंने वहां खड़ी महिलाओं को बताया कि उनको फर्स्ट ऐड सहायता का प्राथमिक ज्ञान है और वह उनकी मदद कर सकते हैं। उनकी अनुमति प्राप्त कर उन्होंने उस घायल महिला से बात कर उनको सांत्वना देने की कोशिश की।



चिराग कांतिलाल जी ने उनको बताया कि उनको घायल को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित तकनीक से उठाने का तरीका मालूम है। घायल महिला का वजन लगभग 90 किलो था। चिराग ने वहां खड़े स्टाफ में से एक की मदद से उस घायल महिला को उठाया। उनको उठाने के लिए उन्होंने थ्री हैंड तकनीक का प्रयोग किया था जिसके कारण उन आंटी के फ्रैक्चर्ड पैर पर न के बराबर दबाव पड़ा था। इसप्रकार वह उनको सुरक्षित कार से हॉस्पिटल पहुंचाने में कामयाब रहे।



डॉक्टर चिराग कांतिलाल जी द्वारा उस महिला के फ्रेक्चर्ड पैर को बिना कोई नुकसान पहुंचाए हॉस्पिटल पहुंचाने पर हैरान थे। तब चिराग ने उनको एनडीआरएफ द्वारा प्राप्त ट्रेनिंग सेशन के बारे में विस्तार से बताया। प्लास्टर होने के बाद वह घायल महिला, डॉक्टर सहित उनके ग्रुप की सभी महिलाओं ने चिराग कांतिलाल जी को धन्यवाद कहा। सच है किसी की मदद करने पर जो खुशी और संतोष मिलता है उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। ये अनुभूति अनमोल है।



## तेरापंथ टास्क फोर्स का हिस्सा बनें

- ✦ क्या आप जानते हैं कि भारतीय सेना के जवानों से तेरापंथ टास्क फोर्स के सदस्य क्या क्या सीखते हैं ?
- ✦ सबसे बड़ी बात उनको सिखाने वाले और कोई नहीं अपितु भारतीय सेना बल के निपुण और कुशल **NDRF** के जवान थे।
- ✦ **TTF** कैडेट्स अब किसी भी दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर बचाने में सक्षम हैं।
- ✦ **TTF** कैडेट्स ने पानी में डूबने वाले को ना सिर्फ डूबने से बचाने अपितु स्कूबा डाइविंग करके पानी के अंदर से निकालने की कला भी सीखी।
- ✦ और तो और हार्ट अटैक आने पर **CPR** से फिर से साँसों को चालू कर जान बचाना तो वह अच्छी तरह सीख गए।
- ✦ किसी भी भूकंप से क्षतिग्रस्त मकान से व्यक्ति को किस प्रकार निकाला जाए, **NDRF** के जवानों ने उन्हें बखूबी सिखलाया।
- ✦ उन्होंने सीखा रस्सी को लाइफलाइन बना किस प्रकार अलग अलग किस्म की गांठें बना उन्हें अपनी और दूसरों की जीवन रक्षा के लिए उपयोग करें।
- ✦ किसी भी प्रकार की दनबसमंत आपदा जिससे बचना शायद कोई नहीं जानता होगा, पर हमारे कैडेट्स जानते हैं।
- ✦ तीन दिन सभी साथियों के साथ रह कर उन्होंने सीखी साथ रहने, मिल कर काम करने, शारीरिक फिटनेस की कला और साथ ही साथ पाया जीवन पर्यंत अनमोल दोस्तों का साथ और बने गौरवशाली संगठन के सदस्य।
- ✦ **TTF** कैडेट्स बन कर ना सिर्फ आपदा विपदा में खुद की, अपने परिवार की, अपने प्रियजनों की ढाल बनेंगे पर समाज और राष्ट्र भी आपको सम्मानित निगाहों से देखेगा।
- ✦ अगर आपकी आयु 18–30 वर्ष है, आप तेरापंथी हो, आपमें कुछ करने का जज्बा है, सार्थक जीवन की चाह है, तो फिर सोचना क्या है, लिंक भरे : <https://bitly.com/ABTYP-TTF> और **TTF** कैडेट्स बनने की तरफ आगे बढ़ें।